PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
01
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

लखनऊ: कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर मायावती बोलीं बहुजन समाज को शोषित से शासक बनाया; लखनऊ में होगी रैली

बसपा संस्थापक कांशीराम के शुक्रवार को 20वें परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो मायावती मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने देश में सदियों से पिछड़े और शोषित बहुजन समाज को वोट की ताकत के जरिए सत्ता की मास्टर चाबी सौंपने और उन्हें शासक वर्ग बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया।मायावती ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके इसी मिशनरी संकल्प का परिणाम था कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बसपा की चार बार सरकार बनी।

महापुरुषों के विचारों को जमीन पर उतारा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बसपा सरकारों के दौरान सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के ऐतिहासिक कार्य किए गए। इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले, श्री नारायणा गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज और डॉ. बी.आर. आंबेडकर जैसे महान संतों व महापुरुषों के समतावादी विचारों को धरातल पर उतारकर संविधान की पवित्र मंशा को पूरा किया गया।

उत्तर प्रदेश में कानून के राज का दिया उदाहरण

मायावती ने यह भी रेखांकित किया कि उत्तर प्रदेश में बसपा शासन के दौरान अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में 'कानून द्वारा कानून का राज' स्थापित किया गया। जनहित और विकास के कार्यों के जरिए एक पारदर्शी और जन-कल्याणकारी सरकार देना ही कांशीराम को पार्टी की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि है। परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बसपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने भी कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प दोहराया।

रिंगरोड: जमीन खरीद के लिए दिल्ली से जारी हुई अधिसूचना,
अब होगा अधिग्रहण, अलीगढ़ के ये 37 गांव शामिल

अलीगढ़ शहर के चारों ओर प्रस्तावित रिंग रोड परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण ने रफ्तार पकड़ी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 22 सितंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम-1956 की धारा 3ए के तहत अधिसूचना जारी कर दी है। अलीगढ़ शहर के चारों ओर प्रस्तावित रिंग रोड परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया ने अब औपचारिक रूप से रफ्तार पकड़ ली है। लंबे समय से प्रस्तावित इस परियोजना में जमीन के चयन और अधिग्रहण की तस्वीर अब काफी हद तक साफ हो गई है।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 22 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम-1956 की धारा 3ए के तहत अधिसूचना जारी कर दी है। रिंग रोड के प्रस्तावित मार्ग में आने वाली 37 गांवों की 357.6565 हेक्टेयर भूमि को अधिग्रहण की प्रक्रिया में शामिल किया गया है ।अधिसूचना में पहली बार गांववार और गाटावार जमीन का विस्तृत ब्योरा सामने आया है। इसमें संबंधित सर्वेक्षण संख्या (गाटा संख्या), प्रस्तावित अधिग्रहीत क्षेत्रफल और भूमि की प्रकृति का उल्लेख किया गया है। इससे जमीन मालिकों और अन्य संबंधित लोगों को यह जानने में आसानी होगी कि परियोजना के लिए उनके गांव में कौन-कौन से गाटे चिह्नित हैं और उनमें से कितनी भूमि प्रस्तावित सड़क के लिए ली जानी है।गजट के बाद अब जिन लोगों को लगता है कि उनके गाटे, क्षेत्रफल अथवा भूमि की प्रकृति से संबंधित विवरण में कोई आपत्ति है, वे निर्धारित अवधि में सक्षम प्राधिकारी के यहां अपना पक्ष रख सकते हैं। इसके बाद एनएचएआई और राजस्व विभाग की टीमें सर्वे के काम में जुट जाएंगी। -

अतुल गुप्ता, सिटी मजिस्ट्रेट एवं विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी |छह लेन का होगा नियंत्रित प्रवेश वाला हाईवे अधिसूचना के मुताबिक केंद्र सरकार ने अलीगढ़ जिले में करीब 33.380 किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण करने की घोषणा की है। यह परियोजना रिंग रोड के रूप में विकसित की जानी प्रस्तावित है। अधिसूचना में सड़क के निर्माण के साथ उसके रखरखाव, प्रबंधन और संचालन के लिए आवश्यक भूमि को भी अधिग्रहण प्रक्रिया में शामिल किया गया है। परियोजना के लिए चिह्नित जमीन में केवल निजी कृषि भूमि ही नहीं है। गाटावार विवरण में अलग-अलग प्रकार की भूमि का उल्लेख किया गया है। कई जगह निजी कृषि भूमि दर्ज है, जबकि कुछ गाटों में सरकारी नाली, सड़क, चकरोड, आबादी, बंजर और परती जैसी भूमि भी दर्ज है। **अधिसूचना के बाद शुरू हुआ आपत्ति का चरण**

जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में अभी संबंधित भूमि पर अधिकार रखने वाले लोगों के लिए आपत्ति का अवसर भी खुला है। अधिसूचना के अनुसार जिस व्यक्ति का संबंधित जमीन में कोई हित है, वह राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 21 दिन के भीतर प्रस्तावित अधिग्रहण अथवा जमीन के उपयोग को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। आपत्ति लिखित रूप में सक्षम प्राधिकारी विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (जेओ), अलीगढ़ के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इसके बाद सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को सुनवाई का अवसर देंगे। संबंधित व्यक्ति स्वयं या अपने विधिक पेशेवर के माध्यम से अपना पक्ष रख सकता है। आपत्तियों की सुनवाई और उन पर निर्णय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अधिग्रहण की अगली कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

Aligarh News: एएमयू में भी जेन-जी की जीत,
छात्रसंघ चुनाव पर सहमति

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव के लिए चल रहे जेन-जी छात्रों के आंदोलन के बीच बड़ी खबर सामने आई है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने 10 से 20 नवंबर के बीच छात्रसंघ चुनाव कराने पर सहमति जताई है।बृहस्पतिवार शाम कुलपति के साथ 13 सदस्यीय छात्र प्रतिनिधिमंडल की बैठक में छात्रसंघ चुनाव की मांग को एएमयू प्रशासन ने स्वीकार किया। प्रतिनिधिमंडल में 18 दिन से भूख हड़ताल पर चल रहे छात्र यासिर फहद भी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रसंघ चुनाव के साथ छात्रों पर दर्ज एफआईआर एवं निलंबन की कार्रवाई वापस लेने और प्रॉक्टर के इस्तीफे की मांग भी रखी। प्रशासन ने चारों मुद्दों पर प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया।यूनिवर्सिटी प्रशासन के अनुसार, छात्रसंघ चुनाव 10 नवंबर से 20 नवंबर के बीच प्रस्तावित है। चुनाव की प्रक्रिया नवंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होकर 20 तक पूरी कराई जाएगी। हालांकि, छात्र अभी आंदोलन समाप्त करने के पक्ष में नहीं हैं। उनका कहना है कि चुनाव समेत सभी मांगों को लिखित रूप में स्वीकार किए जाने के बाद ही धरना खत्म करने पर फैसला लिया जाएगा। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से धरना स्थल पर पहुंचकर मांगों के संबंध में लिखित पत्र देने की मांग की है।छात्रसंघ चुनाव 10 से 20 नवंबर के बीच प्रस्तावित हैं। निलंबित छात्रों का मामला अनुशासन समिति में रखा जाएगा और छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने के लिए प्रयास किया जाएगा। प्रॉक्टर से जुड़े मामले में भी जांच कराई जाएगी।इसके बाद रात में वीमेंस कॉलेज की छात्राएं फिर से गेट पर पहुंचीं और छात्रसंघ चुनाव समेत अन्य मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। दिन में दोनों गेट बंद रहने से सामान्य आवाजाही प्रभावित रही। छात्राओं को कॉलेज छोड़ने पहुंचे अभिभावकों को भी वापस लौटना पड़ा।**छात्रों की मांग का किया समर्थन** कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी कुणाल चौधरी जिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ डक पॉन्ड पहुंचे। उन्होंने छात्रसंघ बहाली की मांग का समर्थन किया। कॉकरोच जनता पार्टी के जुनैद खान भी डक पॉन्ड पहुंचे। दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा निदा सुल्तान भी शाम में धरना स्थल पहुंचीं। उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे यासिर फहद से देर तक बातचीत की।

ग्रीन कार्ड पर अमेरिकी रोक:
टीसीएस बोली- 15 हजार नौकरियां और देंगे; पाबंदी के बीच इतना भरोसा क्यों?

अमेरिका ने कथित अनियमितताओं की जांच के बीच टीसीएस समेत आठ आईटी कंपनियों को पीईआरएम कार्यक्रम से निलंबित किया है। टीसीएस का कहना है कि पिछले दो वर्षों में इस कार्यक्रम के तहत उसके आवेदन इकाई के अंक में रहे हैं, इसलिए उसे अपनी भर्ती रणनीति और ग्राहकों के साथ कामकाज पर बड़े असर की उम्मीद नहीं है। कंपनी अगले पांच वर्षों में अमेरिका में 15 हजार अतिरिक्त लोगों को नौकरी देने की योजना पर कायम है। नैसकॉम ने भी आव्रजन और कुशल कर्मचारियों की आवाजाही को अलग-अलग मुद्दे बताया है।अमेरिका में ग्रीन कार्ड से जुड़ी प्रक्रिया पर रोक के बीच टीसीएस ने अपनी भर्ती योजना को लेकर स्थिति साफ की है। कंपनी का कहना है कि इस फैसले से उसकी अमेरिकी कार्ययोजना और ग्राहकों के साथ कामकाज पर असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। टीसीएस अगले पांच वर्षों में अमेरिका में 15 हजार और लोगों को नौकरी देने की योजना पर आगे बढ़ेगी **।अमेरिका की पाबंदी पर टीसीएस ने क्या कहा?**

टीसीएस ने शुक्रवार को अमेरिकी सरकार की ओर से स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम (पीईआरएम) पर की गई घोषणा पर प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने कहा कि वह अमेरिकी श्रम विभाग के किसी भी निर्देश का पालन करेगी। टीसीएस के मुताबिक, अमेरिका में उसकी कार्ययोजना स्थानीय लोगों को नौकरी देने पर आधारित है। इसके लिए कंपनी परिसर में भर्ती की मजबूत व्यवस्था का भी इस्तेमाल करती है।

क्या अमेरिका में भर्ती बंद करेगी टीसीएस? टीसीएस ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका में 15 हजार अतिरिक्त लोगों को नौकरी देने की अपनी योजना दोहराई है। कंपनी का कहना है कि इससे वहां उसके स्थानीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ेगी। टीसीएस के अनुसार, अमेरिका में उसके 31 कार्यालय और डिलीवरी केंद्र हैं, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय कर्मचारी काम करते हैं। **टीसीएस को क्यों नहीं लग रहा बड़े असर का डर?** कंपनी ने बताया कि पिछले दो वर्षों में पीईआरएम के तहत उसके आवेदनों की संख्या इकाई के अंक में रही है। इसी आधार पर टीसीएस को उम्मीद है कि कार्यक्रम से निलंबित किए जाने का उसकी भर्ती रणनीति और ग्राहकों के साथ कामकाज पर असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, कंपनी ने अमेरिकी श्रम विभाग के निर्देशों का पालन करने की बात कही है।**पीईआरएम कार्यक्रम क्या है और इस पर रोक क्यों लगी**पीईआरएम अमेरिका में रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। इसके तहत नियोक्ताओं को यह दिखाना होता है कि किसी विदेशी कर्मचारी को नौकरी देने से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन, कामकाजी परिस्थितियों या रोजगार के अवसरों को नुकसान नहीं होगा।

किन-किन कंपनियों पर हुई कार्रवाई?

टीसीएस के अलावा इन्फोसिस, कॉग्निजेंट, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी और कैपजेमिनी का नाम भी इस कार्रवाई में शामिल है। अमेरिकी श्रम मंत्री कीथ सॉन्डरलिंग ने कहा कि इन कंपनियों से जुड़ी स्थायी श्रम प्रमाणन की नई या लंबित अर्जियों पर कार्रवाई नहीं की जाएगी।

लखनऊ: कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर मायावती बोलीं-

बसपा संस्थापक कांशीराम के शुक्रवार को 20वें परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो मायावती मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने देश में सदियों से पिछड़े और शोषित बहुजन समाज को वोट की ताकत के जरिए सत्ता की मास्टर चाबी सौंपने और उन्हें शासक वर्ग बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया। मायावती ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके इसी मिशनरी संकल्प का परिणाम था कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बसपा की चार बार सरकार बनी। महापुरुषों के विचारों को जमीन पर उतारा पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बसपा सरकारों के दौरान सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के ऐतिहासिक कार्य किए गए। इस दौरान महात्मा ज्योतिबा फुले, श्री नारायणा गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज और डॉ. बी.आर. आंबेडकर जैसे महान संतों व महापुरुषों के समतावादी विचारों को धरातल पर उतारकर संविधान की पवित्र मंशा को पूरा किया गया। उत्तर प्रदेश में कानून के राज का दिया उदाहरण मायावती ने यह भी रेखांकित किया कि उत्तर प्रदेश में बसपा शासन के दौरान अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में 'कानून द्वारा कानून का राज' स्थापित किया गया। जनहित और विकास के कार्यों के जरिए एक पारदर्शी और जन-कल्याणकारी सरकार देना ही कांशीराम को पार्टी की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि है। परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बसपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने भी कांशीराम के अधूरे मिशन को पूरा करने का संकल्प दोहराया।बसपा संस्थापक कांशीराम के शुक्रवार को 20वें परिनिर्वाण दिवस पर बसपा सुप्रीमो मायावती मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ईशान आनंद दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। हाल ही में पार्टी में वापसी के बाद दोबारा राष्ट्रीय संयोजक बनाए गए

लड़की लड़ती रही, दरिंदे हार गए: बाइक पर तीन घंटे घुमाते रहे,

रास्ते में की दरिंदगी; इसलिए चुनी नहर पटरी की राह 15 वर्षीय लड़की से सामूहिक दुष्कर्म कर नहर में धकेला गया। तैरकर बचने पर ग्रामीणों व पुलिस ने उसे बचाया। मुख्य आरोपी शफीक मुठभेड़ में घायल हुआ, साथी भूरा गिरफ्तार हुआ है। दरिंदों ने सोचा था बेसहारा है विरोध नहीं करेगी... लेकिन उसने हिम्मत की और उनसे टकरा गई। बौखलाकर उसके प्राण लेने चाहे तो उसने हौसला दिखाया और उनके चंगुल को भेदकर बच निकली। आरोपियों ने अंतिम दांव चला और उसे नहर में धकेल दिया, वह तैरना जानती थी, वह उस मुसीबत को भी पार कर गई। लड़की हर पल लड़ती रही और चालबाजों को उसके आगे हारना पड़ा। अब वे सलाखों के पीछे हैं। साहस की ये कहानी है उस लड़की की जो बुधवार को तड़के चीती गांव के पास नहर में मिली थी। वह टहनी और झाड़ियों का सहारा लेकर अपनी जान बचाने के लिए दो घंटे तक जूझती रही। अंत में ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बाहर आ सकीपुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों के कबूलनामे ने मानवता को झकझोर कर रख दिया है। मां के धोखे और ताई की बेरुखी के बाद जिस महिला को अपना पनाहगार समझा, उसी के पति ने दिल्ली में एक रिश्तेदारी में काम दिलाने का झांसा देकर 15 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। देहात थाना क्षेत्र के चीती गांव के पास हुई इस दिल दहला देने वाली वारदात में आरोपियों ने पूरी साजिश रची थी।तीन घंटे बाइक पर अलग-अलग घुमाते रहे, रास्ते में की दरिंदगी पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनको पता था कि मुख्य मार्गों और हाईवे पर पुलिस की गश्ती गाड़ियां घूमती रहती हैं। इसलिए वे किशोरी को करीब तीन घंटे तक बाइक पर नहर की पटरियों, रजवाहों और ग्रामीण इलाकों के सुनसान रास्तों से घुमाते रहे। रास्ते में आरोपियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। किशोरी के विरोध करने पर आरोपियों ने उसका गला दबाया और साक्ष्य मिटाने के इरादे से चीती गांव के पास नहर में धकेल दिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह आठवीं तक पढ़ी है, उसे तैरना भी आता है। इसी के चलते उसने गहरे पानी में भी जिंदगी की जंग लड़ी। पानी का बहाव उसे छह-सात मीटर आगे तक ले गया, लेकिन उसने हार न मानते हुए किनारे की ओर लटकी पेड़ की टहनी और झाड़ियों को मजबूती से थाम लिया। करीब दो घंटे तक पानी में आधी डूबी रहने के बावजूद वह मदद की गुहार लगाती रही। बुधवार तड़के करीब तीन बजे जब पास में रहने वाले ग्रामीण छोटे लाल पशुओं को चारा डालने उठे, तो अंधेरे में किशोरी की कराह और चीख सुनकर उनको इस बाबत जानकारी हुई। उन्होंने तुरंत गांव के अन्य लोगों को जगाया। नहर के दूसरी तरफ किशोरी फंसी होने के कारण छह-सात ग्रामीण बाइकों से करीब ढाई किलोमीटर का लंबा चक्कर काटकर पहुंचे। सूचना पर डायल 112 पुलिस भी मौके पर आ गई। इसके बाद ग्रामीण नरेंद्र और अरुण रस्सी के सहारे नहर में उतरे और कड़ी मशक्कत के बाद कांपती व बदहवास किशोरी को बाहर निकाला। ग्रामीणों की तत्परता और किशोरी के तैरने के हुनर ने उसे मौत के मुंह से खींच निकाला। पुलिस ने किशोरी को उपचार व डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी बोले- यूपी

में 20 हजार करोड़ के काम जमीन पर उतरेलखनऊ में अमर उजाला बिल्ड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव में उत्तर प्रदेश के विकास की दिशा पर मंथन जारी है। स्वास्थ्य, एक्सप्रेसवे, ऊर्जा, औद्योगिक निवेश, रियल एस्टेट, एमएसएमई और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेषज्ञ चर्चा कर रहे हैं। प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने पर विचार रख रहे हैं। सरकार ने आज स्वास्थ्य को अपनी प्रायोरिटी बनाया है उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 15 करोड़ आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। लगभग 13 करोड़ लोगों के इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड इन आईडी से जोड़े जा चुके हैं। प्रदेश में छह लाख से अधिक स्वास्थ्य केंद्रों और सुविधाओं तथा 12 लाख से अधिक डॉक्टरों के पंजीकरण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 100 माइक्रोसाइट विकसित करने की घोषणा की है। इनके माध्यम से छोटे अस्पतालों, नर्सिंग होम, क्लीनिक, फार्मेसी और जांच केंद्रों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। एंटीबायोटिक के दुरुपयोग से बढ़ रहा खतरा केंद्रीय मंत्री ने एंटीबायोटिक दवाओं के अनियंत्रित इस्तेमाल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लोग मामूली बीमारी या संक्रमण होने पर डॉक्टर की सलाह के बिना खुद दवाएं लेने लगते हैं। कई बार एंटीबायोटिक का पूरा कोर्स भी नहीं करते। इससे एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की समस्या बढ़ती है, जो भविष्य में स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। उन्होंने कहा कि लोगों को डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक नहीं लेनी चाहिए और निर्धारित उपचार को लेकर चिकित्सकीय निर्देशों का पालन करना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और नए रोगजनकों से पैदा होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के लिए भी तैयारी जरूरी है। बीमारी की निगरानी और जांच नेटवर्क मजबूत करना जरूरी अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए रोग निगरानी तंत्र और प्रयोगशालाओं के नेटवर्क को मजबूत करना होगा। कोरोना महामारी ने देश में जांच सुविधाओं और आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की जरूरत स्पष्ट की। इसी दिशा में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में पब्लिक हेल्थ लैब स्थापित करने, जांच सुविधाओं का विस्तार करने और स्वास्थ्य आपातकाल के दौरान विभिन्न संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। प्रदेश जैसे बड़े राज्य में इन व्यवस्थाओं को मजबूत करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सरकारी प्रयासों के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी भी जरूरी केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है।

मुरादाबाद: फर्जी प्रवेशपत्र लेकर पुलिस भर्ती में दौड़ लगाने पहुंची युवती,

लद्दाख में तैनात सैन्यकर्मी ने बनाया मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी मैदान में सिपाही भर्ती की दौड़ लगाने पहुंची अमरोहा निवासी कुमारी साहिबा को फर्जी प्रवेशपत्र के साथ पकड़ लिया गया। लिखित परीक्षा में फेल होने के बावजूद उसने भर्ती में शामिल होने की कोशिश की। प्रवेशपत्र में 10 की जगह नौ अंकों का अनुक्रमांक मिलने पर फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी के मैदान में बृहस्पतिवार की सुबह सिपाही भर्ती में दौड़ लगाने पहुंची फर्जी महिला अभ्यर्थी पकड़ी गई। साथ ही फर्जी प्रवेशपत्र बनाने में मदद करने वाले आरोपी सैन्यकर्मी के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रवेशपत्र में 10 की जगह नौ अंकों का अनुक्रमांक मिलने पर चेकिंग स्टाफ को शक हुआ। फिर पूछताछ में मामले का खुलासा हुआ। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि गिरफ्तार की गई युवती कुमारी साहिबा अमरोहा जिले के देहात थाना क्षेत्र के कारहट उर्फ रामहट की रहने वाली है। लिखित परीक्षा में फेल होने के बावजूद उसने सिपाही बनने के लिए फर्जीवाड़ा की कोशिश की। गेट पर सुबह 6:45 बजे कुमारी साहिबा ने प्रवेशपत्र दिखाकर प्रवेश करने का प्रयास किया। शक होने पर ड्यूटी पर लगे पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। उसने बताया कि वह लिखित परीक्षा में फेल हो गई थी। इसके बाद बरेली में रहने वाली उसकी सहेली अस्मिता मलिक के भाई व सैन्यकर्मी कादिर हुसैन ने व्हाट्सएप पर उसे फर्जी प्रवेशपत्र भेजा था। कादिर हुसैन की तैनाती फिलहाल लद्दाख में है।फर्जी एडमिट लेकर दौड़ लगाने पहुंची

यूपी: आगरा के जूता उद्योग की वैश्विक बाजार पर नजर, पीएम मोदी

और स्विस राष्ट्रपति की बैठक में पूरन डावर शामिलनई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पार्मेलिन की द्विपक्षीय वार्ता में आगरा के उद्योगपति पूरन डावर ने भारतीय फुटवियर और लेदर सेक्टर का प्रतिनिधित्व किया। डावर के अनुसार, स्विस साझेदारी से आगरा के जूता उद्योग को आधुनिक तकनीक, डिजाइन और वैश्विक बाजार तक पहुंच के नए अवसर मिल सकते हैं।नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में बृहस्पतिवार को आयोजित उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पार्मेलिन के साथ ताजनगरी के उद्योगपति पूरन डावर ने हिस्सा लिया। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत विकास परिषद फॉर फुटवियर एंड लेदर इंडस्ट्री के चेयरमैन के रूप में उन्होंने भारतीय फुटवियर और लेदर सेक्टर का प्रतिनिधित्व किया।भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच हुए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत अगले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख रोजगार का लक्ष्य रखा गया है। इस परिप्रेक्ष्य में यह बैठक देश के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और निर्यात क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक के बाद पूरन डावर ने कहा कि स्विस साझेदारी से आगरा के फुटवियर उद्योग को उन्नत तकनीक, आधुनिक डिजाइन और वैश्विक बाजार तक सीधी पहुंच मिलने की पूरी संभावना है। पूरन डावर वर्ष 1994 में स्थापित आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चेंबर के संस्थापक सदस्य और बोर्ड ऑफ ट्रेड के गैर-सरकारी सदस्य भी हैं।पीएम को याद दिलाई विजय शंखनाद रैली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान पूरन डावर ने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ी आगरा की यादें भी साझा कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री को आगरा में आयोजित विजय शंखनाद रैली का स्मरण कराया

सुप्रीम कोर्ट: जस्टिस दत्ता की सख्त टिप्पणी, कहा- शीर्ष अदालत की नरमी से देश में बढ़ रहे अपराध

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौत की सजा को कम करने में कोर्ट की अत्यधिक नरमी के कारण देश में अपराध बढ़ रहे हैं और इस पर कहीं न कहीं रोक लगनी चाहिए। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ आजीवन कारावास के कैदी की समयपूर्व रिहाई की याचिका पर सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी की। जस्टिस दत्ता ने कहा कि पहले हत्या के मामलों में सजा रेयर ऑफ द रेरेस्ट (सबसे दुर्लभ) सिद्धांत के आधार पर तय होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। हमारी माफ करने की प्रवृत्ति के कारण ही भारत इन समस्याओं का सामना कर रहा है। माफ करो, माफ करो...आपको कहीं तो एक सीमा तय करनी ही होगी। जस्टिस दत्ता ने एक झकझोर देने वाले मामले का जिक्र करते हुए बताया कि एक पिता ने अपनी बड़ी बेटी से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी थी। पत्नी की गवाही पर उसे उम्रकैद हुई। कुछ साल बाद जब वह पैरोल पर बाहर आया तो उसने छोटी बेटी के सामने अपनी पत्नी की भी हत्या कर दी। इस मामले में उसे मौत की सजा मिली, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर उम्रकैद में बदल दिया कि उसने छोटी बेटी की हत्या नहीं की थी। जस्टिस दत्ता ने दो टूक कहा कि अदालत के इसी रवैये के चलते अब इ स अति-उदारवादी और माफ करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने का समय आ गया है।

एक्सप्लेनर: ट्रंप लगातार कैसे बदल रहे जंग रुकवाने के आंकड़े, सच्चाई कितनी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आठ युद्ध रुकवाने का दावा कर एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार की मांग की है। जानिए उनके दावों में कितनी सच्चाई है और नोबेल समिति के नियमों के तहत उनकी संभावना कितनी मजबूत है। नॉर्विजियन नोबेल समिति आज (शुक्रवार) शांति के नोबेल पुरस्कार के विजेता का एलान करेगी। इससे पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग की है। ट्रंप ने एक दिन पहले ही व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, "मैंने कई ऐसी चीजें की हैं, जो किसी और ने नहीं की। मैंने आठ युद्धों का अंत करवाया है।" हालांकि, इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि नोबेल शांति पुरस्कार देने वाली समिति 2026 के पुरस्कार के लिए उनका नाम चुनेगी या नहीं।

ट्रंप के इन बयानों के बाद एक बार फिर उनके दुनियाभर में 'जंग का अंत' करवाने वाले दावों पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ट्रंप जनवरी 2025 में अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से ही लगातार एक के बाद एक युद्ध रुकवाने के दावे करते जा रहे हैं। एक समय तो उन्होंने 10 युद्ध का अंत कराने का दावा तक कर दिया था। हालांकि, अपने हालिया बयान में वे एक बार फिर दुनिया के आठ युद्ध रुकवाने के दावे पर लौट आए हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कब से की जा रही है? वे अब तक कब और कितनी जंगों को रुकवाने का दावा कर चुके हैं? उनके दावों में कौन-कौन से युद्धों का जिक्र लगातार रहा है? कैसे उनके जंग रुकवाने का आंकड़ा आठ से 10 और फिर वापस आठ पर आ गया है? नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उनकी दावेदारी कितनी मजबूत रही है? यह पुरस्कार मिलता कैसे है और ट्रंप के लिए संभावना क्या है? आइये जानते हैं...

आतंक पीड़ित होने का नाटक कब तक? यूएन में पाकिस्तान को भारत की दो टूक, कहा

पहलगाम में आतंकियों ने पीड़ितों से उनका धर्म पूछा था, उनकी राजनीतिक विचारधारा नहीं। एक ओर पाकिस्तान धार्मिक नफरत से लड़ने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर वह सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता है।

संयुक्त राष्ट्र की छठी समिति में पाकिस्तान के बयान का जवाब देते हुए भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। भारत ने मसूद अजहर, जैश-ए-मोहम्मद, 26/11 मुंबई हमले और पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के दावों और उसके कथित आचरण में विरोधाभास है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप भी लगाया। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर घेरा है। संयुक्त राष्ट्र की छठी समिति में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपायों पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान का जवाब देते हुए भारत के प्रथम सचिव रघु पुरी ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद को सिर्फ बयान देकर खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए आतंकियों, उनके संगठनों, उन्हें पैसा देने वालों और उनका साथ देने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी होगी। भारत ने सवाल उठाया कि जब किसी देश की जमीन का इस्तेमाल आतंकियों को पैसा देने, प्रशिक्षण देने, शरण देने या उन्हें मदद पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो उस स्थिति में क्या कदम उठाए जाते हैं?आतंकवाद का शिकार बनने का दावा, लेकिन आतंकियों को संरक्षण देने के आरोप

भारत ने पाकिस्तान के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें वह खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहने वाला देश और आतंकवाद का शिकार बताता है। रघु पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ने जिन आतंकी संगठनों को तैयार किया, वे बाद में उसके नियंत्रण से बाहर हो गए। अब ये संगठन पड़ोसी देशों के साथ-साथ पाकिस्तान में भी तबाही मचा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के अपने नेताओं के बयान भी इस स्थिति को उजागर कर चुके हैं। भारत का संदेश साफ था कि एक तरफ आतंकियों का साथ देना और दूसरी तरफ उनके खिलाफ लड़ाई का दावा करना, दोनों बातें एक साथ नहीं चल सकतीं। मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाना महज दिखावा, भारत ने उठाए सवाल

भारत ने संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर का मुद्दा भी उठाया। रघु पुरी ने कहा कि भारत पर हमलों के पीछे अहम भूमिका निभाने वाले मसूद अजहर पर इनाम की राशि बढ़ाने की घोषणा महज दिखावा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकवाद को पाकिस्तान की ओर से मिलने वाली आर्थिक मदद किसी से छिपी नहीं है। भारत ने यह भी याद दिलाया कि कुछ महीने पहले ही पाकिस्तानी प्रतिनिधियों ने जैश-ए-मोहम्मद को निष्क्रिय संगठन बताया था। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर मीडिया मसूद अजहर तक पहुंचकर उससे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पुष्टि हासिल कर सकता है, तो पाकिस्तानी सरकार को उसके ठिकाने की जानकारी क्यों नहीं होगी? आतंकी संगठनों को राजनीतिक संरक्षण मिला तो बेअसर हो जाएंगे अंतरराष्ट्रीय वादे

भारत ने कहा कि जब आतंकी संगठन किसी देश में राजनीतिक संरक्षण के सहारे काम करते हैं, तो आतंकवाद के खिलाफ किए गए अंतरराष्ट्रीय वादे बेमानी हो जाते हैं। इससे आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को न्याय मिलने की उम्मीद भी कमजोर पड़ जाती है। रघु पुरी ने दुनिया को 9/11 हमले और ओसामा बिन लादेन के पाकिस्तान में पाए जाने की घटना की याद दिलाई। उन्होंने 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों और पहलगाम हमले का भी जिक्र किया। भारत ने कहा कि इन हमलों में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार आज भी न्याय और जवाबदेही का इंतजार कर रहे हैं, जबकि हमलों के जिम्मेदार लोग अब तक खुले घूम रहे हैं। पहलगाम के पीड़ितों से धर्म पूछा गया, राजनीति नहीं

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए भारत ने पाकिस्तान के उस रुख पर सवाल उठाया, जिसमें वह धार्मिक नफरत के खिलाफ बोलता है, लेकिन उस पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हैं। रघु पुरी ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने पीड़ितों से उनका धर्म पूछा था, उनकी राजनीतिक विचारधारा नहीं। भारत ने इसे विडंबना बताते हुए कहा कि एक ओर पाकिस्तान धार्मिक नफरत से लड़ने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर उस पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप हैं। इस बयान के जरिए भारत ने यह संदेश दिया कि आतंकवाद और धार्मिक नफरत के मुद्दे पर पाकिस्तान की बातों और उसके कथित आचरण के बीच बड़ा अंतर है

किसे मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार?: आज होगा नाम का एलान, ट्रंप के दावे से दुनियाभर में हलचल, जानें कौन रेस में

ओस्लो में आज नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा होगी। इस साल 287 उम्मीदवारों के नामांकन मिले हैं। इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी को लेकर भी चर्चा है। आइए जानते हैं लिस्ट में कौन-कौन है?दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार माने जाने वाले नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को नॉर्वे के ओस्लो में की जाएगी। जानकारों का कहना है कि इस साल संभावित दावेदारों में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, सूडान में इमरजेंसी टीमें, यूक्रेन में बच्चों के लिए काम करने वाले लोग और दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अदालतें शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रेडिक्शन मार्केट में लोगों का ध्यान खींचा है।**कमिटी को कितने उम्मीदवारों के नॉमिनेशन मिले?** वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो ईरान के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं। वे लंबे समय से इस पुरस्कार को पाने की इच्छा रखते रहे हैं और बार-बार कह चुके हैं कि वे इसके हकदार हैं। ओस्लो में नॉर्वेजियन नोबेल कमिटी को इस साल के पुरस्कार के लिए 287 उम्मीदवारों के नॉमिनेशन मिले, जिनमें से एक-चौथाई से कुछ ज्यादा संगठन हैं। जानकारों का कहना है कि कमिटी आम तौर पर शांति के टिकाऊपन, अंतरराष्ट्रीय भाईचारे को बढ़ावा देने और उन लक्ष्यों को मजबूत करने वाले संस्थानों के चुपचाप किए गए कामों पर ध्यान देती है। **पिछले साल किसे मिला?**

पिछले साल, वेनेज़ुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दक्षिण अमेरिकी देश में लोकतांत्रिक बदलाव लाने के उनके संघर्ष के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिला। उन्हें एक ऐसी महिला के तौर पर पहचान मिली, जो बढ़ते अंधेरे के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती हैं।**राष्ट्रपति ट्रंप को दिया अपना मेडल**

वही, अमेरिका की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाए जाने के कुछ ही समय बाद मचाडो ने अपना नोबेल मेडल ट्रंप को दे दिया। लेकिन यह मुख्य रूप से एक प्रतीकात्मक कदम था: नोबेल समिति ने कहा है कि इस सम्मान को किसी और को नहीं सौंपा जा सकता।**नॉमिनेशन कौन करता है?**

नॉमिनेशन कुछ खास लोगों और संगठनों की ओर से किए जा सकते हैं, जिनमें राष्ट्राध्यक्ष या राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले राजनेता, यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, विदेश नीति संस्थानों के डायरेक्टर, पहले नोबेल पुरस्कार पाने वाले लोग और खुद नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के सदस्य शामिल हैं।**इस साल के चार नोबेल पुरस्कार किसे मिले?**

इस साल के चार नोबेल पुरस्कारों की घोषणा इसी हफ्ते की शुरुआत में की गई। मेडिसिन का नोबेल तीन वैज्ञानिकों को मिला, जिनके काम से एक ऐसा टूल बना जो रोशनी का इस्तेमाल करके यह समझने में मदद करता है कि दिमाग कैसे काम करता है। फिजिक्स का अवॉर्ड एक वैज्ञानिक को न्यूट्रिनो के एक दुर्लभ ग्रुप के बारे में जानकारी देने के लिए दिया गया। केमिस्ट्री का पुरस्कार दो वैज्ञानिकों को मॉलिक्यूल में रहस्यमयी मिरर इमेज को समझने के लिए दिया गया। यह एक ऐसी खोज है जिसका इस्तेमाल अनगिनत दवाएं बनाने में किया गया है।कनाडा की कवयित्री, निबंधकार और अनुवादक ऐनी कार्सन को गुरुवार को साहित्य का पुरस्कार मिला। उन्हें यह पुरस्कार उनके साहसी और नए तरह के कामों के लिए दिया गया, जो क्लासिकल और मॉडर्न शैलियों को मिलाते हैं और कविता व गद्य के बीच के अंतर को मिटाते हैं। वहीं, इकोनॉमिक साइंसेज में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा सोमवार को की जाएगी।इस साल पुरस्कार की राशि 12 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (लगभग 1.2 मिलियन डॉलर) है, चाहे वह किसी व्यक्ति, पुरस्कार पाने वालों के छोटे ग्रुप या किसी संगठन को मिले।**शांति पुरस्कार की 125वीं वर्षगांठ**

बता दें कि शांति पुरस्कार की 125वीं वर्षगांठ है। 1901 में शुरू होने के बाद से अब तक यह पुरस्कार 112 लोगों और 28 अलग-अलग संस्थाओं को दिया जा चुका है। रेड क्रॉस ने इसे तीन बार और यूएन की रिफ्यूजी एजेंसी ने दो बार जीता है।

टीसीएस का मुनाफा 15% बढ़ा: दूसरी तिमाही के नतीजे बेहतर,12 रुपये लाभांश; निवेशकों को क्या मिलेगा?

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में बाजार अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए 13,884 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 15% अधिक है। कंपनी ने 12 रुपये प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है और एआई से होने वाला राजस्व भी बढ़ा है। क्या कंपनी का यह प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा? पढ़िए इस रिपोर्ट में।

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने बाजार अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के बेहतर नतीजे जारी किए हैं। वार्षिक आधार पर दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 15% बढ़कर 13,884 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 12,075 करोड़ और अप्रैल-जून 2026 तिमाही में 13,349 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। तिमाही आधार पर शुद्ध लाभ में 4% की वृद्धि आई है। जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी की परिचालन आय 11.22% बढ़कर 73,188 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 65,799 करोड़ रुपये थी। कंपनी के सबसे बड़े बाजार उत्तरी अमेरिका में स्थिर मुद्रा आधार पर राजस्व 1.5 फीसदी बढ़ा, जबकि भारत छह फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र रहा। कंपनी का एआई राजस्व जुलाई-सितंबर तिमाही में बढ़कर 3.1 अरब डॉलर हो गया जो अप्रैल-जून में 2.6 अरब डॉलर था। कंपनी एक रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 12 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है।

4 हजार से ज्यादा नए कर्मचारी जुड़े...

टीसीएस ने पिछले तीन महीनों में शुद्ध आधार पर 4,258 कर्मचारियों को जोड़ा। इसके साथ 30 सितंबर तक कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 5,98,056 हो गई। आईटी सेवा कारोबार में कर्मचारियों के कंपनी छोड़ने की दर 13.3% पर स्थिर रही। कंपनी के मुख्य एचआर सुदीप कुन्नुमल ने कहा, हम कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं।

रतन टाटा की पुण्यतिथि: सीएम योगी-रेखा गुप्ता ने किया नमन; नमक से सेमीकंडक्टर तक कैसे बदली टाटा समूह की तस्वीर?

रतन टाटा की पुण्यतिथि पर योगी आदित्यनाथ, रेखा गुप्ता समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने उनके जीवन को परिश्रम, सादगी, सेवा और मानवीय मूल्यों की मिसाल बताया। रतन टाटा ने 1991 से 2012 तक टाटा समूह का नेतृत्व किया और टेटली, कोरस, जगुआर व लैंड रोवर जैसे बड़े अधिग्रहणों के जरिए समूह का अंतरराष्ट्रीय विस्तार किया। कारोबार के साथ समाजसेवा और परोपकार में उनके योगदान को भी याद किया गया।दिग्गज उद्योगपति और पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा की पुण्यतिथि पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि रतन टाटा का जीवन परिश्रम, विनम्रता, सेवा और मानवीय मूल्यों की मिसाल है। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को नई पहचान दिलाने के साथ समाज कल्याण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

योगी बोले-उद्योग और समाजसेवा को साथ लेकर चले रतन टाटा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'भारत के महान उद्योगपति, 'पद्म विभूषण' रतन टाटा जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। उद्योग, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व को साथ लेकर चलने वाला उनका जीवन परिश्रम, विनम्रता और सेवा की अनुकरणीय विरासत है।'

रेखा गुप्ता बोलीं- दुनिया में बढ़ाया भारत का गौरव

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रतन टाटा को नमन करते हुए कहा कि अपने दूरदर्शी नेतृत्व, नए विचारों और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण से उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया। रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण, रोजगार सृजन और समाज कल्याण में रतन टाटा का योगदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

संजय सरावगी और मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी किया याद

बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय सरावगी ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण, समाजसेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति उनका समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। वहीं, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि रतन टाटा ने भारतीय उद्योग जगत को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी जनहित को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने साबित किया कि सफलता का असली अर्थ केवल ऊंचाइयां छूना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है।

गणेश जोशी ने कहा-आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे उनके आदर्श

उत्तराखंड सरकार में मंत्री गणेश जोशी ने भी रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण, समाजसेवा और परोपकार के प्रति उनका समर्पण, सादगी और मानवीय मूल्यों से भरा जीवन हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। उनके आदर्श और अमूल्य योगदान आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।रतन नवल टाटा का जन्म 28 दिसंबर 1937 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला की पढ़ाई की। वर्ष 1962 में उन्होंने टाटा समूह में काम शुरू किया।

एक्सप्लेनर: आरबीआई का बड़ा फैसला, एक जगह मिलेगा म्यूचुअल फंड, शेयर-एफडी का हिसाब; क्या बदलेगा?

आखिर क्यों केंद्र सरकार और आरबीआई को उठाना पड़ा यह कदम। क्या ग्राहकों की वित्तीय प्रोफाइलिंग होगी बेहतर। क्या बैंक या वित्तीय संस्थान सेवाओं को कर सकेंगे आपके अनुरूप। क्या आपके पास भी अलग-अलग बैंकों में कई खाते हैं? क्या अलग-अलग पोर्टल्स पर जाकर अपने डीमैट खातों, म्यूचुअल फंड्स और एफडी के बैलेंस को ट्रैक करते-करते थक चुके हैं? और क्या कभी ऐसा हुआ है कि किसी परिजन के जाने के बाद उनके खातों या अनक्लेमड डिपॉजिट्स का पता लगाने में एड़ी-चोअरण इन सवालों का जवाब हां है, तो आपके लिए बड़ी राहत भरी खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और वित्तीय नियामकों ने देश के आम निवेशकों और खाताधारकों की इन सभी परेशानियों को हमेशा के लिए खत्म करने का पुख्ता बंदोबस्त कर दिया है।टी का जोर लगाना पड़ा हो? एक जनवरी, 2027 से ग्राहकों को उनके बचत खातों और विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में किए गए निवेश का एक कंसोलिडेटेड अकाउंट स्टेटमेंट (सीएएस) हर महीने एक ही जगह पर मिलना शुरू हो जाएगा। आरबीआई ने सेबी के नियमन वाले डिपॉजिटरी को एनबीएफसी-अकाउंट एग्रीगेटर्स के माध्यम से बैंक डिपॉजिट की जानकारी भी इस स्टेटमेंट में शामिल करने की अनुमति दे दी है।अभी तक म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार के निवेशकों को एक ही पैन के तहत सिर्फ सिक्योरिटीज और म्यूचुअल फंड का ही सिंगल स्टेटमेंट मिलता था।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (सीडीएसएल जैसी डिपॉजिटरी की ओर से भेजे जाने वाले इस स्टेटमेंट में अब आपके बैंक खातों की जमा राशि भी दिखने लगेगी।

अकाउंट एग्रीगेटर्स के बीच बेहतर होगा तालमेल

इस पूरी डिजिटल व्यवस्था की रीढ़ अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क है। अब अलग-अलग अकाउंट एग्रीगेटर्स आपस में आसानी से जुड़ सकेंगे और उनके बीच आपसी तालमेल बेहतर होगा, जिससे ग्राहक आसानी से एक ही जगह अपना डाटा देख सकेंगे। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से ग्राहक की सहमति पर आधारित होगी, जिससे डाटा की गोपनीयता और सुरक्षा पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

आम लोगों और निवेशकों को क्या फायदा होगा?

जैसा कि खुद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चिंता जताई है कि कई बार लोगों की मृत्यु के बाद उनके बैंक डिपॉजिट्स लावारिस छूट जाते हैं या मिल नहीं पाते। इस सिंगल कंसोलिडेटेड व्यू से इस तरह की समस्याओं का स्थायी समाधान मिलेगा।

इस स्टेटमेंट से लोगों को अपनी वित्तीय प्लानिंग करने और परिवारों को मृत निवेशकों की संपत्ति का पता लगाने में बहुत आसानी होगी।

इस कदम से ग्राहकों की वित्तीय प्रोफाइलिंग बेहतर होगी और बैंक तथा वित्तीय संस्थान उनकी जरूरत के हिसाब से सेवाओं को और बेहतर ढंग से कस्टमाइज कर सकेंगे।

सर्राफा बाजार: दिल्ली में सोने की कीमतों में गिरावट, पितृ पक्ष और डॉलर की मजबूती से बढ़ा दबाव

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी का क्या हाल है?

वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना थोड़ा बढ़कर 4,149.44 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। मीराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से हाजिर सोना लाभ के साथ कारोबार कर रहा था। यह 4,151 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं, चांदी 61.01 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।प्रवीण सिंह के अनुसार, चमकीली धातु तेल और डॉलर से संकेत लेती रहेगी। अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव महत्वपूर्ण होगा। निकट भविष्य में सोने के दाम सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है। इसमें थोड़ी मंदी का रुख भी दिख सकता है। निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता अभी भी स्वस्थ बनी हुई है। यह सोने की कीमतों को प्रभावित करने वाला एक अन्य कारक है।

दिल्ली में मंगलवार को सोने के दाम 200 रुपये प्रति 10 ग्राम गिर गए। कमजोर खुदरा मांग और मजबूत डॉलर ने कीमती धातु पर दबाव डाला। देश की राजधानी में 10 ग्राम सोने का भाव 1,49,600 रुपये हो गया। सोमवार को यह 1,49,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें लगातार दूसरे सत्र में स्थिर रहीं। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, चांदी 2.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है। इसमें सभी कर शामिल हैं। HDFC सिक्योरिटीज के कमोडिटीज विश्लेषक सौमिल गांधी ने बताया। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों से दाम गिरे। पितृ पक्ष की मांग में कमी ने भी घरेलू बाजार में सोने पर दबाव डाला। पितृ पक्ष के दौरान उपभोक्ता आमतौर पर शुभ वस्तुएं नहीं खरीदते हैं। इनमें सोना, आभूषण, संपत्ति या अन्य विलासिता की वस्तुएं शामिल हैं। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना थोड़ा बढ़कर 4,149.44 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी 61.01 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।

द बोनस मार्केट अपडेट: बड़ी गिरावट के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने की दमदार शुरुआत

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने एक मजबूत शुरुआत की। सुबह 9:28 बजे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह शुरुआती तेजी निवेशकों के बीच सकारात्मक धारणा को दर्शाती है। सेंसेक्स, जो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक है, 71,997.37 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इसमें 404.13 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो 0.56 फीसदी का उछाल है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी ने भी 22,363.55 पर कारोबार शुरू किया। इसमें 131.75 अंकों की बढ़त रही, जो 0.59 फीसदी की वृद्धि है।कल जिस शेयर बाजार में चौतरफा हाहाकार मचा था और निवेशकों के करीब 10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए थे, उसी बाजार ने आज (9 अक्तूबर 2026) सुबह एक नया मोड़ ले लिया है। दलाल स्ट्रीट पर आज सुबह से ही 'बुल्स' (तेजी लाने वाले) ने वापसी की कोशिश की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह हरियाली टिक पाएगी या वैश्विक दबाव इसे फिर से लाल निशान में धकेल देगा

आज सुबह बाजार में क्या हलचल रही?

कल की भयंकर गिरावट के बाद आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 338 अंक उछलकर 71,930 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी करीब 91 अंक चढ़कर 22,323 के पार निकल गया। बाजार में यह बढ़त मुख्य रूप से 'शॉर्ट कवरिंग' यानी कल की भारी बिकवाली के बाद कम कीमतों पर हुई खरीदारी की वजह से आई है। आसान शब्दों में कहें तो जब बाजार बहुत ज्यादा गिर जाता है, तो कुछ समय के लिए उसमें एक प्राकृतिक सुधार या रिकवरी आती है, आज भी ठीक वैसा ही हो रहा है। इस मामूली रिकवरी की सबसे बड़ी वजह यह है कि कल की गिरावट के बाद भारतीय बाजार 'ओवरसोल्ड जोन' यानी जरूरत से ज्यादा बिकवाली के दायरे में आ गए थे। जब शेयर बहुत ज्यादा सस्ते हो जाते हैं, तो घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) और ट्रेडर खरीदारी का मौका ढूंढने लगते हैं।

परिणीति उठाएंगी जनता के मुद्दे, महिलाओं को सुरक्षा देंगी कनी;

देखें ये फिल्में-सीरीजइस हफ्ते ओटीटी पर कई बेहतरीन फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं। इस वीकएंड आपको बॉलीवुड से लेकर साउथ और हॉलीवुड तक की फिल्में और सीरीज देखने को मिलेंगी। मौसम बदल रहा है। उत्तर भारत में गर्मी से राहत मिली है। अब रातें ठंडी हो रही हैं। ऐसे में लोग घर से बाहर निकल कर घूमने-फिरने जा रहे हैं। कुछ लोग अच्छा वक्त बिताने के लिए सिनेमा का रुख कर रहे हैं। कई लोग घर पर बैठ कर मौसम का आनंद लेना चाहते हैं। इन लोगों के लिए यह वीकएंड खास होने वाला है क्योंकि इस वीकएंड ओटीटी पर कई फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं।अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' इस वीक की ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 09 अक्तूबर को दस्तक देगी। इसमें वे पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी और अवैध रेत खनन का पर्दाफाश करेंगी। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। परिणीति के अलावा फिल्म में देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन जैसे सितारे हैं।इमरान हाशमी अभिनीत फिल्म 'आवारापन 2' ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद इसे ओटीटी पर भी रिलीज किया गया। मगर, अब तक यह सिर्फ रेंट पर उपलब्ध थी। इसे देखने के लिए दर्शकों को जेब ढीली करनी पड़ रही थी। मगर, अब यह मासिक सब्सक्रिप्शन वाले यूजर्स के लिए भी 09 अक्तूबर से उपलब्ध रहेगी। इसे प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है।मलयालम वेब सीरीज 'आइज' 9 अक्तूबर को सोनी लिव पर रिलीज होने वाली है। इसकी कहानी पुलिस अफसर टीना सेबेस्टियन (कनी कुसरुति) के आस-पास घूमती है। वह स्टॉकिंग के परेशान करने वाले मामलों की जांच करती हैं। इन मामलों को सुलझाने के लिए वह मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर काम करती हैं, ताकि अपराधियों की सोच को समझ सकें।यह तमिल भाषा की स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह 10 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने शानदार प्रदर्शन किया। अब यह फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। सूरी और सुहास अभिनीत यह फिल्म 08 अक्तूबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रणबाली ट्रेलर: अंग्रेजों के जुल्म से विद्रोही बने विजय देवरकोंडा

द ममी' फेम अभिनेता का दिखा खतरनाक अवतार शादी के बाद पहली बार रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फिल्म 'रणबाली' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो काफी दमदार है विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की अदाकारी वाली तेलुगु पीरियड ड्रामा फिल्म 'रणबाली' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि ब्रिटिश साम्राज्य के अधिकारी भारत के लोगों पर दमन करते हैं। इसके बाद भारतीयों में विद्रोह पैदा हो जाता है।ट्रेलर में क्या है? लगभग 4 मिनट के ट्रेलर में दिखाया गया है कि अंग्रेज भारतीयों पर जुल्म करते हैं। भारतीय उनकी गुलामी करते हैं इसके बावजूद उन्हें बुनियादी जरूरतों से महरूम रखा जाता है। जुल्म से तंग आकर विजय देवरकोंडा बागी बनते हैं। वह अंग्रेजों से बदला लेते हैं। आखिर में अंग्रेजों और भारतीयों के बीच जबरदस्त संघर्ष दिखाई देता है। कब रिलीज होगी फिल्म? इस फिल्म के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन हैं। इसमें रश्मिका मंदाना ने जयाम्मा का किरदार निभाया है। वहीं विजय देवरकोंडा ने रणबाली का किरदार निभाया है। फिल्म रायलसीमा के काल्पनिक गांव सिंगानामाला पर आधारित है। 16 अक्तूबर को यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ये भी पढ़ें शादी के बाद पहला प्रोजेक्ट विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की इस साल की शुरुआत में शादी हुई। इसके बाद 'रणबाली' उनका पहला प्रोजेक्ट है। ये दोनों इससे पहले ब्लॉकबस्टर तेलुगु रोमांटिक ड्रामा 'गीता गोविंदम' और स्पोर्ट्स रोमांटिक ड्रामा 'डियर कॉमरेड' में साथ काम कर चचुके हैं।

खामोशी' से 'वनवास' तक: हर किरदार में छोड़ी छाप;

फिल्मों के इतर क्या किया खास? पढ़ें नाना का जिंदगी-नामा चाहे देशभक्त हो, या कॉमेडी रोल...नाना पाटेकर ने अपने करियर में हमें कई यादगार किरदार दिए हैं। उनके जन्म, फिल्मी करियर, लव अफेयर्स, अवॉर्ड्स से लेकर निधन तक, इस खबर में जानिए नाना पाटेकर के बारे में सब कुछ। अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके घर पर 5:20 बजे गंभीर कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। उन्हें बचाने के लिए 45 मिनट तक सीपीआर दिया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। नाना पाटेकर हिंदी और मराठी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शुमार रहे जिन्होंने गंभीर, दमदार और अलग तरह के किरदारों से अपनी पहचान बनाई। जानिए नाना पाटेकर की जिंदगी से जुड़ी दिलचस्प बातें। नाना पाटेकर का जन्म नाना पाटेकर का जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। वे एक मिडल-क्लास मराठी परिवार से आते थे। उनका असली नाम विश्वनाथ पाटेकर है। बचपन में उनकी एक छोटी बहन उन्हें प्यार से 'नाना' कहकर बुलाती थी, और बाद में यही नाम उनकी पहचान बन गया। उनके पासपोर्ट और आधार कार्ड पर भी 'नाना पाटेकर' ही दर्ज है। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने काफी संघर्ष किया। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले नाना स्केच आर्टिस्ट के तौर पर काम करते थे। शुरुआत में किया काफी संघर्ष नाना पाटेकर ने एप्लाइड आर्ट में पोस्ट ग्रेजुएशन किया था। नाना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के बाद उन्होंने करीब 13 साल की उम्र में काम शुरू किया। स्कूल के बाद वे लगभग 8 किलोमीटर पैदल चलकर चुनाभट्टी जाते थे और फिल्मी पोस्टर पेंट करते थे। इसके बदले उन्हें 35 रुपये महीने और दिन में एक वक्त का खाना मिलता था। धीरे-धीरे यही संघर्ष उन्हें फिल्मों की दुनिया तक ले गया। फिल्मों में आने से पहले नाना ने मराठी सिनेमा में भी काम किया। मराठी सिनेमा में भी नाना पाटेकर का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। 'नटसम्राट' में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली और उन्हें मराठी फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान भी मिला। शादी के बाद आई दरार 1978 में नाना पाटेकर की शादी नीलकांति पाटेकर से हुई थी। दोनों की मुलाकात मराठी थिएटर के दिनों में हुई थी। नीलकांति खुद भी थिएटर और फिल्मों से जुड़ी रही हैं और उन्होंने मराठी सिनेमा में अभिनय किया है। हालांकि, दोनों ने कभी कानूनी तौर पर तलाक नहीं लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के कुछ समय बाद दोनों अलग-अलग रहने लगे थे और कई दशकों तक अलग रहने के बावजूद उनका तलाक नहीं हुआ। नाना और नीलकांति के दो बेटे थे।

बॉक्स ऑफिस: कमाई में सबसे आगे 'द्दश्यम 3', टोटल कलेक्शन 350 करोड़

के पार; जानें 'द वन' समेत बाकी फिल्मों का हाल अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'द वन' की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है। जानिए इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन।'दृश्यम 3' के साथ-साथ सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं। इनमें 'दृश्यम 3', 'द वन', 'हनुमान अंश' और 'द पैराडाइज' जैसी फिल्में शामिल हैं। आइए जानते हैं कि किस फिल्म ने अभी तक कितना बिजनेस किया है।लाखों में गिरी 'हनुमान अंश' की कमाई 'दृश्यम 3' के बाद 'हनुमान अंश' की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा 'हनुमान अंश' को रिलीज हुए 2 महीने से भी ज्यादा का समय हो चुका है। इस वजह से भी इसकी कमाई अब थम चुकी है। फिल्म अब लाखों में कमाई कर रही है। आज 63 वें दिन गुरुवार को इसने 66 लाख की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 327.94 करोड़ हो गया है। 'द पैराडाइज' की भी घटी कमाई साउथ एक्टर नानी की फिल्म 'द पैराडाइज' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी। लेकिन अब इसकी कमाई भी लाखों में गिर गई है। रिलीज के 15 दिनों बाद आज गुरुवार को इसने 78 लाख की कमाई की है। फिल्म ने टोटल 118.87 करोड़ का कारोबार कर लिया है। 'द वन' की भी हालत खराब सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर 'द वन' 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए 14 दिन हो गए हैं और अब इसका धमाल भी ठंडा होता दिख रहा है। ये भी अब धीरे-धीरे लाखों में कमाई कर रही है। आज गुरुवार को इसने 63 लाख की कमाई की है। इसके साथ 'द वन' ने कुल 65.68 करोड़ की कमाई कर ली है।दृश्यम 3' ने मचाई धूम अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धुंआधार शुरुआत की है । आज फिल्म को रिलीज हुए पूरा 1 हफ्ता हो गया है और इतने दिनों बाद भी फिल्म का जलवा बरकरार है। आज सांतवे दिन फिल्म ने 11.10 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल \zलेक्शन 243.60 करोड़ हो गया है। वहीं फिल्म का टोटल ग्रॉस कलेक्शन 364 करोड़ हो गया है।

सोमी अली: अभिनेत्री ने क्यों शुरू किया अपना एनजीओ?

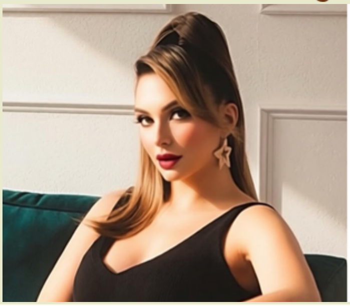

हर रोज आते हैं इतने कॉल; युवाओं को लेकर दिया ये पैगाम अभिनेत्री सोमी अली ने घरेलू हिंसा और मानव तस्करी के बारे में बात की है। उन्होंने अपराध को रोकने के लिए लोगों से एक अपील भी की है। अभिनेत्री से सामाजिक कार्यकर्ता बनीं सोमी अली ने घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और शोषण से पीड़ित लोगों की मदद में कई साल बिताए हैं। वह एक एनजीओ भी चलाती हैं। 'तीसरा कौन', 'चुप', 'यार गद्दार', 'आंदोलन', 'माफिया' और 'आओ प्यार करें' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाने वाली अली बाद में लाइमलाइट से दूर हो गईं। उन्होंने सामाजिक काम करने के लिए फिल्मों से दूरी बनाई।हर रोज आती हैं 30 कॉल अक्तूबर 'घरेलू हिंसा जागरूकता माह' होता है, लेकिन अली का कहना है कि इस मुद्दे को सिर्फ एक महीने के कैंपेन की तरह नहीं देखा जा सकता। वह कहती हैं कि उनके एनजीओ को रोजाना लगभग 30 कॉल आते हैं

कटरीना कैफ: क्या अभिनेत्री ने आलोचकों को दिया जवाब?

कटरीना कैफ ने प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े वजन को लेकर निशाना बनाए जाने के बाद सोशल मीडिया के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि अगर आप लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान देते हैं तो क्या नुकसान हो सकता है।अभिनेत्री कटरीना कैफ ने हाल ही में सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया से अपने आपको बचाने के बारे में बात की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है, न कि हर किसी को खुश करने की कोशिश करने से। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे आलोचना पर ज्यादा ध्यान देने से आप जिंदगी में आगे बढ़ने से रुक सकते हैं।सोशल मीडिया पर क्या बोलीं अभिनेत्री? यूके में अपने कॉस्मेटिक ब्रांड की पहली सालगिरह के मौके पर हुए एक इवेंट के दौरान, कटरीना ने कहा 'हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सोशल मीडिया पर चल रही बातें हमारे आत्म-मूल्य को प्रभावित न करें। वहां बहुत सारी राय होती हैं। अगर आप उन सभी के अनुसार चलने लगते हैं, तो आप खुद फैसले नहीं ले पाएंगे।' खुद का चीयरलीडर बनना होता है अभिनेत्री ने कहा कि दूसरों की बातों पर प्रतिक्रिया देने से व्यक्ति को आगे बढ़ने में दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय भी होते हैं जब दुनिया आपकी तारीफ करती है, दूसरे समय में आपको वास्तव में खुद का सबसे बड़ा चीयरलीडर बनना पड़ता है।'कटरीना ने जिंदगी के कई चरणों को स्वीकार करने के सलाह दी।

Aaj ka Rashifal 09 October

आज का राशिफल: मेष, सिंह और मकर राशि वालों के लिए खास रहेगा दिन, धन-करियर में मिलेंगे नए संकेत

9 अक्टूबर 2026 का दिन कुछ राशियों के लिए नई उम्मीद और अवसर लेकर आ सकता है, तो कुछ को काम और रिश्तों में सावधानी बरतनी होगी। जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

Rashifal 09 October 2026: 9 अक्टूबर 2026, शुक्रवार का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। आज कुछ जातकों को कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं, जबकि कुछ लोगों को जल्दबाजी में फैसला लेने से बचना होगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाना फायदेमंद रहेगा। परिवार और रिश्तों के मामले में भी दिन मिला-जुला असर दिखा सकता है। वहीं, लंबे समय से अटके किसी काम में प्रगति होने से मन प्रसन्न हो सकता है। आइए जानते हैं मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए 9 अक्टूबर का दिन करियर, धन, परिवार और स्वास्थ्य के लिहाज से कैसा रहने वाला है।

मेष

आज सबसे पहले अपने खर्चों पर थोड़ा लगाम लगाना जरूरी होगा। मन के मुताबिक बेवजह खर्च करना आगे चलकर बजट बिगाड़ सकता है। आपका बेफिक्र अंदाज कुछ लोगों को पसंद न आए, इसलिए कामकाज के मामले में थोड़ा गंभीर रहना बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी खड़ी कर सकती है, इसलिए हर काम ध्यान से करें। संतान के करियर को लेकर खुलकर बातचीत करने से आपके बीच समझ और भरोसा बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ किसी छोटी बात को लेकर बहस करने से बचें, क्योंकि बात बेवजह बढ़ सकती है।

वृषभ

आज मन पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों में खूब लगेगा। किसी धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने से मन को शांति मिलेगी और लोगों के बीच आपका सम्मान भी बढ़ सकता है। किसी आयोजन में सम्मान या उपहार मिलना दिन को और खास बना देगा। पुरानी स्वास्थ्य समस्या में राहत मिलने की संभावना है। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर सकती है। कारोबार में कोई बड़ा फैसला लेने से पहले हर पहलू पर अच्छी तरह विचार करें। फिलहाल साझेदारी से जुड़े कामों में अतिरिक्त सावधानी रखना बेहतर रहेगा।

मिथुन

विद्यार्थियों के लिए आज का दिन नई उम्मीदें लेकर आ सकता है। पढ़ाई और उच्च शिक्षा से जुड़े नए अवसर सामने आ सकते हैं। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें और कोशिश करें कि पुराने उधार को धीरे-धीरे निपटाया जाए। जीवनसाथी की ओर से कोई प्यारा सरप्राइज मिलने से आपका मूड अच्छा हो जाएगा। वाहन चलाते समय बिल्कुल लापरवाही न करें। आमदनी बढ़ाने के लिए नई योजनाओं पर मेहनत करनी होगी। आपकी कोशिशों का परिणाम तुरंत भले न मिले, लेकिन धीरे-धीरे स्थितियां आपके पक्ष में आती दिखाई देंगी।

कर्क

आज का दिन कुछ मामलों में उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। आसपास किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बन सकती है, लेकिन उसमें खुद को शामिल करने के बजाय चुप रहना ही समझदारी होगी। नौकरी से जुड़ा कोई आपको यात्रा पर ले जा सकता है। लंबे समय से खोई हुई कोई प्रिय वस्तु वापस मिल जाए तो मन को काफी खुशी होगी। आज बिना योजना के काम करने के बजाय पहले पूरा विचार करें और फिर कदम उठाएं। माता-पिता का आशीर्वाद आपके किसी रुके हुए काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है।

सिंह

आज आप अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से बढ़ेंगे। हालांकि कुछ विरोधी आपकी राह में अड़चन डालने की कोशिश कर सकते है, लेकिन मेहनत और धैर्य से आप परिस्थितियों को संभाल लेंगे। संतान की ओर से कोई जिम्मेदारी मिल सकती है और आप उसे पूरी गंभीरता से निभाएंगे। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक और मनोरंजन के लिए भी समय मिलेगा। किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने से जुड़ी कोई योजना आज आपके मन में आकार ले सकती है।

कन्या

आज कुछ परिस्थितियां आपकी परीक्षा ले सकती हैं, इसलिए अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। किसी कानूनी मामले को लेकर तनाव बढ़ने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में छोटी-सी गलती भी परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों की बातों को ध्यान से सुनें और काम में सावधानी रखें। मनचाहा काम न मिलने से थोड़ी निराशा हो सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। परिवार से जुड़े मामलों में बाहरी लोगों की सलाह लेने से बचें। भाई-बहनों का सहयोग इस समय आपको भावनात्मक राहत देगा।

तुला

आज बीती हुई गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना आपके लिए सबसे सही रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर चिंता बनी रह सकती है। ऐसे मामले में परिवार के बड़े-बुजुर्गों की सलाह काफी उपयोगी साबित होगी। काम को टालते रहने की आदत आज नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करने की कोशिश करें। बचत या धन को किसी अच्छी योजना में लगाने का विचार मन में आ सकता है। संतान को नौकरी या करियर के सिलसिले में कुछ समय के लिए घर से दूर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक

आज अपने काम पर पूरा ध्यान बनाए रखना जरूरी होगा। कारोबार से जुड़े किसी महत्वपूर्ण काम के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी को पैसा उधार देने से पहले अच्छी तरह सोच लें, क्योंकि बाद में उसे वापस पाने में परेशानी हो सकती है। जीवनसाथी से बातचीत करते समय ऐसे शब्दों से बचें जो रिश्ते में तनाव पैदा करें। परिवार से जुड़े किसी मामले को मिल-बैठकर सुलझाना बेहतर रहेगा। बाहरी लोगों की सलाह पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से मामला और उलझ सकता है। आज धैर्य और समझदारी ही आपके लिए सबसे बड़ा सहारा रहेगी।

धनु

आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ सकती है। लोगों के बीच आपकी पहचान और सम्मान दोनों में वृद्धि होने के संकेत हैं। आमदनी के नए रास्ते खुलने से आर्थिक स्थिति को लेकर उत्साह बढ़ेगा। भाई-बहनों के साथ किसी छोटी बात पर बहस हो सकती है, इसलिए तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। घर के छोटे बच्चे किसी चीज के लिए जिद कर सकते हैं और उनकी खुशी देखकर आप उनकी इच्छा पूरी करने का मन बना सकते हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको भीतर से खुश रखेगा।

मकर

आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी होगा। कारोबार में कोई बदलाव करने का विचार है तो पहले उसके फायदे और नुकसान अच्छी तरह समझ लें। विदेश से जुड़े व्यापार या काम करने वालों के लिए कोई अच्छी खबर आ सकती है। अपने रहन-सहन में थोड़ा बदलाव करने की इच्छा होगी और नए कपड़े, आभूषण या अपनी पसंद की चीजों पर खर्च कर सकते हैं। धार्मिक और सेवा कार्यों में भी मन लगेगा। किसी जरूरतमंद की मदद करने का अवसर मिले तो आगे बढ़कर सहायता करना आपको भीतर से संतोष देगा।

कुंभ

आज का दिन कुछ मामलों में मिला-जुला रहेगा, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य आपको परिस्थितियों से आसानी से निकाल लेंगे। लोगों के साथ आपके संबंध सामान्य से बेहतर रहेंगे और किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में छोटी-सी गलती के कारण वरिष्ठों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है, इसलिए काम को दोबारा जांचकर आगे बढ़ें। परिवार में किसी सदस्य के रिश्ते की बात पक्की होने से घर में खुशी और उत्साह का माहौल बन सकता है।

मीन

आज बोलने से पहले थोड़ा रुककर सोचना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपकी कही छोटी-सी बात भी सामने वाले पर गहरा असर डाल सकती है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए रास्ते खुल सकते हैं और किसी अच्छे संस्थान की जानकारी मिल सकती है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना बनी रहेगी। हालांकि परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। कोई भी बड़ा फैसला जल्दबाजी में न लें, क्योंकि बाद में उसी फैसले को लेकर परेशानी हो सकती है। लंबे समय से अटका सरकारी काम आगे बढ़ाने के लिए आज का दिन उपयोगी साबित हो सकता है।

Aaj Ka Love Rashifal

लव राशिफल 09 अक्तूबर: कन्या, तुला और मकर राशि वालों के प्रेम जीवन में आएगा बदलाव, रिश्ते में बढ़ेगा भरोसा

9 अक्तूबर का लव राशिफल प्रेम और रिश्तों के लिहाज से खास संकेत लेकर आया है। किसी राशि के जातकों के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ सकती हैं, तो कुछ लोगों को बातचीत के दौरान संयम रखना होगा। जानें सभी 12 राशियों के लिए प्रेम जीवन का हाल।

9 अक्तूबर 2026 का लव राशिफल प्रेम और रिश्तों के लिहाज से कई महत्वपूर्ण संकेत दे रहा है। ग्रहों की स्थिति का असर लोगों की भावनाओं, आपसी समझ और रिश्तों में चल रही परिस्थितियों पर पड़ सकता है। किसी राशि के जातकों के लिए पार्टनर के साथ रिश्ते में मिठास और नजदीकी बढ़ने के संकेत हैं, तो कुछ लोगों को छोटी-छोटी बातों पर होने वाली गलतफहमी से बचना होगा। वहीं, जो लोग लंबे समय से किसी को पसंद करते हैं, उनके लिए अपनी भावनाएं व्यक्त करने का मौका मिल सकता है। शादीशुदा लोगों के लिए भी जीवनसाथी के साथ बातचीत और आपसी सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। कुछ लोगों को पुराने मतभेद दूर करने का अवसर मिलेगा, जबकि कुछ राशियों को रिश्ते में जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचना होगा। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 9 अक्तूबर 2026 का लव राशिफल और प्रेम जीवन में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

आज का अंक ज्योतिष: मूलांक 1, 6 और 9 वालों की खुलेगी किस्मत, करियर में मिलेंगे नए अवसर

अंक ज्योतिष के अनुसार हर मूलांक पर ग्रहों और अंकों का अलग प्रभाव पड़ता है। 9 अक्तूबर 2026 को कुछ मूलांक वालों के लिए करियर और धन से जुड़े मामलों में अच्छे अवसर बन सकते हैं, जबकि कुछ को फैसले लेते समय सावधानी रखनी होगी। आइए जानते हैं मूलांक 1 से 9 तक के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

Today Numerology Prediction: अंक ज्योतिष में व्यक्ति की जन्मतिथि के आधार पर उसके मूलांक की गणना की जाती है और इसी के आधार पर दिन के संभावित प्रभावों का आकलन किया जाता है। हर मूलांक का संबंध किसी न किसी ग्रह से माना जाता है

इसलिए अंकों की स्थिति बदलने के साथ व्यक्ति के करियर, आर्थिक स्थिति, रिश्तों और व्यक्तिगत जीवन पर भी अलग-अलग प्रभाव पड़ने की मान्यता है। 9 अक्तूबर 2026 का दिन भी मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए अलग-अलग अनुभव लेकर आ सकता है। किसी के लिए कामकाज में नई जिम्मेदारी या सफलता के अवसर बन सकते हैं, तो किसी को पैसों से जुड़े फैसलों में सावधानी बरतनी पड़ सकती है। प्रेम और पारिवारिक जीवन में भी दिन के परिणाम मूलांक के अनुसार अलग रहेंगे। आइए अंक ज्योतिष की गणना के आधार पर जानते हैं मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज का दिन कैसा रहने वाला है।

शनि नक्षत्र परिवर्तन से इन 3 राशि वालों को होगा लाभ, 2027 तक चमकी रहेगी किस्मत

Shani Nakshatra Gochar 2026: 9 अक्तूबर 2026 को शनि उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं और 8 फरवरी 2027 तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। ज्योतिषियों के अनुसार, यह अवधि खास रहेगी और जातकों को विशेष लाभ मिलने की संभावनाएं हैं।

Shani Nakshatra Gochar 2026: शनि का नक्षत्र परिवर्तन ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि इसका प्रभाव साल 2027 तक देखने को मिल सकता है। ज्योतिषियों के अनुसार, 9 अक्तूबर 2026 को शनि उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं और 8 फरवरी 2027 तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। इसके बाद शनि रेवती नक्षत्र में गोचर करेंगे। वहीं, 11 दिसंबर 2026 को शनि मार्गी भी हो जाएंगे। ज्योतिष में शनि को कर्मों के फल और मेहनत का कारक माना जाता है। मान्यता है कि शनि की स्थिति अनुकूल होने पर व्यक्ति को अपने प्रयासों का अच्छा परिणाम मिल सकता है। इस नक्षत्र परिवर्तन के दौरान कुछ राशि वालों को नौकरी, व्यापार और करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं।

बुध उदय से चमकेगा इन 4 राशियों का भाग्य, करियर में सफलता के साथ धनलाभ के भी योग

वैदिक ज्योतिष में बुध को बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार और करियर का कारक ग्रह माना जाता है। 11 नवंबर 2026 को बुध उदय होने जा रहे हैं, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिल सकता है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, बुध के उदय से मेष, कन्या, तुला और धनु राशि के जातकों को करियर में तरक्की और आर्थिक लाभ के अवसर मिल सकते हैं। वैदिक ज्योतिष में बुध को बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार, गणना और संचार का कारक ग्रह माना जाता है। इसलिए बुध की स्थिति में होने वाला बदलाव व्यक्ति के करियर, कारोबार, आर्थिक मामलों और निर्णय लेने की क्षमता पर प्रभाव डालने वाला माना जाता है। ज्योतिष में जब कोई ग्रह सूर्य के बहुत करीब पहुंच जाता है और उसकी दृश्यता समाप्त हो जाती है, तो उसे ग्रह का अस्त होना कहा जाता है। वहीं, सूर्य से पर्याप्त दूरी बनने के बाद जब ग्रह दोबारा दिखाई देने लगता है, तो इसे उसका उदय माना जाता है। बुध अब कुछ समय अस्त रहने के बाद दोबारा उदय होने जा रहे हैं। 11 नवंबर 2026 को सुबह 5:40 बजे बुध उदय होंगे। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, बुध के उदय होने से कुछ राशियों के जातकों को करियर में आगे बढ़ने, कारोबार में नए अवसर मिलने और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल सकते हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए बुध का उदय खास रहने वाला है।

11 नवंबर को उदय होंगे बुध

द्रिक पंचांग के अनुसार, बुध 25 अक्तूबर 2026 को शाम 6:31 बजे अस्त होंगे। इसके बाद करीब 17 दिनों तक अस्त अवस्था में रहने के बाद 11 नवंबर 2026 को सुबह 5:40 बजे बुध उदय होंगे।

सैमसन को मिलेगा आराम!

वैभव सूर्यवंशी को दूसरे टी20 में उतारने की कितनी संभावना? गेंदबाजी में भी बदलाव संभव

India vs West Indies T20 Playing 11 Prediction: भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। भारत के लिए संजू सैमसन की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, ऐसे में टीम प्रबंधन ओपनिंग जोड़ी में बदलाव कर सकता है। इस बात की संभावना अधिक है कि वैभव सूर्यवंशी अभिषेक के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

संजू सैमसन को छोड़कर भारत के सभी बल्लेबाज फॉर्म में हैं और इसलिए टीम प्रबंधन शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ को होने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने के लिए भेज सकता है। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगी, लेकिन उसके लिए सैमसन का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय बना हुआ है। सैमसन पिछली चार पारियों में केवल 29 रन बना पाए हैं जिनमें उनका उच्चतम स्कोर 11 है। उनकी असफलता के कारण भारत को इन मैच में अच्छी शुरुआत नहीं मिल पाई। लेकिन पिछले मैच में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक लगाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में मध्य क्रम ने सैमसन की असफलता का टीम पर खास असर नहीं पड़ने दिया। अय्यर ने अपने करियर के 68वें मैच में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। ऐसे में सूर्यवंशी को एक और मौका मिल सकता है जिन्होंने अब तक मिले अवसरों पर यह साबित कर दिया कि वह खेल के छोटे प्रारूप के लिए उपयुक्त बल्लेबाज हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के पास कई तरह के शॉट हैं और वह अपने आक्रामक अंदाज से विपक्षी टीम को शुरू में ही दबाव में ला सकते हैं।

पहले ईशान अब वैभव सूर्यवंशी

क्या बढ़ती प्रतिस्पर्धा से दबाव में हैं संजू? 11 पारियों में सिर्फ दो अर्धशतक

संजू सैमसन की टी20 फॉर्म लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने सैमसन इसके बाद भारत के लिए 11 पारियों में सिर्फ दो अर्धशतक लगा पाए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में भी वह 11 रन बनाकर आउट हुए। पूर्व भारतीय बल्लेबाज हनुमा विहारी का मानना है कि टीम में बढ़ती प्रतिस्पर्धा सैमसन पर दबाव डालती है।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का फॉर्म लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने वाले सैमसन इसके बाद से बल्ले से निरंतर संघर्ष करते नजर आए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी वह महज 11 रन बनाकर आउट हो गए। सैमसन ने टी20 विश्व कप के बाद भारत के लिए खेली पिछली 11 पारियों में 5, 0, 1, 27, 10, 57, 50, 9, 7, 2 और 11 रन बनाए हैं। यानी इन 11 पारियों में वह केवल दो बार अर्धशतक तक पहुंच सके, जबकि छह पारियों में वह दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। सैमसन की मौजूदा फॉर्म इसलिए भी हैरान करने वाली है, क्योंकि टी20 विश्व कप में उन्होंने भारत की लगातार दूसरी खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो मुकाबले में नाबाद 97 रन बनाए थे। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 89 रन की शानदार पारी खेली। इस प्रदर्शन के लिए सैमसन को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। ऐसे प्रदर्शन के बाद किसी खिलाड़ी को लंबा मौका देने की बात स्वाभाविक है। लेकिन भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज की जगह के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने सैमसन की स्थिति को थोड़ा मुश्किल बना दिया है। अभिषेक शर्मा फिलहाल सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह मजबूत कर चुके हैं। ऐसे में दूसरी सलामी जगह के लिए यशस्वी जायसवाल और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे हैं। भारत के पूर्व बल्लेबाज हनुमा विहारी का मानना है कि टीम में बढ़ती प्रतिस्पर्धा सैमसन पर दबाव डालती है और इसका असर उनके प्रदर्शन पर दिखाई देता है। विहारी ने ईशान किशन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब ईशान ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम में वापसी की और रन बनाने शुरू किए, तब भी सैमसन के प्रदर्शन में गिरावट देखने को मिली थी

अंडर-19 एशिया कप: पाकिस्तान के खिलाफ कैसा है

भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमें एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगी। इन दोनों टीमों की भिड़ंत एशिया कप में होगी जिसका आयोजन अगले महीने किया जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने पुरुष अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। ओमान में यह टूर्नामेंट पांच से 14 नवंबर तक खेला जाएगा। सबकी निगाहें भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले पर थी, जिसके लिए एसीसी ने आठ नवंबर का दिन निर्धारित किया है। यानी एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की टीमें क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगी। पाकिस्तान की अंडर-19 टीम ने पिछले साल दिसंबर में इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था। इसके चलते वह यहां मौजूदा चैंपियन के तौर पर खिताब का बचाव कराने उतरेगी। जूनियर एशिया कप में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है, जिसके चलते इन दोनों टीमों के बीच आठ नवंबर को ओमान के ओसीए ग्राउंड में मुकाबला होगा।

भारत के ग्रुप में पाकिस्तान के अलावा यूएई और नेपाल अन्य दो टीमें हैं। भारत अपना अभियान छह नवंबर को नेपाल अंडर-19 के खिलाफ शुरू करेगा। ग्रुप स्तर पर सभी टीमों के बीच कुल 12 मैचों का आयोजन होगा। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें 12 नवंबर को सेमीफाइनल में भिड़ेंगी। फाइनल 14 नवंबर को खेला जाएगा।

पिछले साल फाइनल में भिड़े थे भारत-पाकिस्तान

दुबई के आईसीसी अकादमी ग्राउंड में पिछले साल अंडर-19 एशिया कप 2025 का फाइनल मैच भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच ही खेला गया था। इस मैच में फरहान यूसुफ की अगुआई वाली पाकिस्तान अंडर-19 ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप खिताब अपने नाम किया था।

ओवरऑल भारी है भारत का पलड़ा

भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमों के बीच मुकाबला हमेशा ही रोचक होता है। पिछली बार भले ही पाकिस्तान ने बाजी मार ली थी, लेकिन एशिया कप में भारत का पलड़ा चिर प्रतिद्वंद्वी टीम पर भारी ही है। इन दोनों टीमों के बीच एशिया कप में कुल 12 मुकाबले खेले गए हैं

लखनऊ के बाद रांची में भी भारत का दबदबा!

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टी20 मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में जीत के बाद भारतीय टीम की नजरें सीरीज में बढ़त मजबूत करने पर हैं। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, कुलदीप यादव और नमन धीर ऐसे पांच खिलाड़ी हैं, जो अपने हालिया प्रदर्शन और रिकॉर्ड के दम पर वेस्टइंडीज के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

पहले टी20 मुकाबले में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टी20 मुकाबला शुक्रवार को रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में दूसरे टी20 में भी कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। ये खिलाड़ी एक बार फिर वेस्टइंडीज के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत की थी। उन्होंने महज 10 गेंदों में 21 रन बनाए, लेकिन अपनी पारी को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। दूसरे मुकाबले में अभिषेक की नजरें बड़ी पारी खेलने पर होंगी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस साल 30 टी20 मुकाबलों में 205 के स्ट्राइक रेट से 832 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और सात अर्धशतक निकले हैं। अगर अभिषेक क्रीज पर टिक गए तो वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना आसान नहीं होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के लिए 2026 का साल टी20 क्रिकेट में शानदार रहा है। वह भारत की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से ज्यादा टी20 रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बने हैं। ईशान ने इस साल 30 टी20 मुकाबलों में 168 के स्ट्राइक रेट से 1042 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और सात अर्धशतक हैं। रांची में भी ईशान से तेज शुरुआत की उम्मीद होगी। अगर वह लय में आते हैं तो कैरेबियाई गेंदबाजों की मुश्किल बढ़ सकती है।

टीम इंडिया के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले मुकाबले में शानदार शतक जड़कर अपनी फॉर्म का संकेत दे दिया है। लखनऊ में उन्होंने महज 43 गेंदों में 102 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। अय्यर जब लय में होते हैं तो उन्हें रोकना गेंदबाजों के लिए बेहद मुश्किल हो जाता है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: क्या है भुवनेश्वर के कमबैक का कारण? कोटक ने दिया जवाब शमी की वापसी पर भी बड़ा संकेत

भुवनेश्वर कुमार की करीब चार साल बाद भारतीय टी20 टीम में वापसी को लेकर सहायक कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके लंबे अनुभव और पिछले दो आईपीएल सत्रों में शानदार प्रदर्शन ने चयन में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा मोहम्मद शमी की वापसी पर उन्होंने कहा कि अगर चयनकर्ताओं को लगता है कि शमी टीम की जरूरत पूरी कर सकते हैं तो उन्हें चुना जा सकता है। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर सहायक कोच सितांशु कोटक ने बड़ा बयान दिया है। कोटक के मुताबिक, भुवनेश्वर का लंबा अंतरराष्ट्रीय अनुभव और पिछले दो आईपीएल सत्रों में शानदार प्रदर्शन उनकी वापसी की प्रमुख वजहों में शामिल हैं। 36 वर्षीय भुवनेश्वर ने आखिरी बार नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के

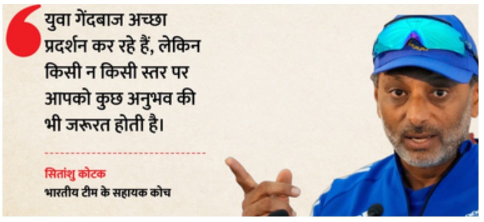

लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। अब उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर ने आईपीएल 2025 और 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की लगातार दो खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल 45 विकेट हासिल किए। 2025 में उनके नाम 17 और 2026 में 28 विकेट रहे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 से पहले मीडिया से बातचीत में कोटक ने कहा कि टीम के युवा गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन किसी स्तर पर अनुभव की भी जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड दौरे पर युवा गेंदबाजों के साथ खेलने के दौरान उन्हें व्यक्तिगत रूप से लगा कि अनुभव काफी महत्वपूर्ण है। ऐसे में चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों को देखते हुए भुवनेश्वर के अनुभव को ध्यान में रखा होगा। कोटक ने कहा कि भुवनेश्वर पिछले दो आईपीएल सत्रों में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में भी उनका अनुभव टीम के लिए उपयोगी हो सकता है। भुवनेश्वर की वापसी के साथ मोहम्मद शमी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। शमी मौजूदा टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
- सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लेनेट न्यूज इंडिया' प्रेस से छपवाकर,
बी-9, सावत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, सासनी पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300